भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2402
बुधवार, 22 मार्च, 2023 (1 चैत्र, 1945 (शक)) को उत्तरार्थ

सहकारी क्षेत्र के लिए उद्योग शिक्षाजगत के बीच संबंध

2402 श्री अयोध्या रामी रेड्डी आलाः

क्या ***सहकारिता*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सहकारी क्षेत्र के लिए उद्योग-शिक्षाजगत के बीच सम्बन्ध कार्यक्रम की प्रकृति, उसके कार्य और वर्तमान स्थिति क्या है और इस कार्यक्रम के सफल होने की कितनी संभावना है;

(ख) क्या सरकार ने सहकारी क्षेत्र के लिए उद्योग- शिक्षाजगत के बीच सम्बन्ध सुनिश्चित करने के लिए कोई पहल की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार ने सहकारी क्षेत्र, ज्ञान के आदान-प्रदान को सुकर बनाने के लिए, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में कोई अन्य योजनाएं कार्यान्वित की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) से (ग): राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (NCCT), जो सहकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त समिति है, के द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण, जागरुकता एवं अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में सेक्टर विशेषज्ञों एवं प्रैक्टिशनरों को निरंतर शामिल करके सहकारी समितियों के लिए उद्योग-शिक्षाजगत की लिंकेज को सुनिश्चित किया जाता है ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्योग-शिक्षाजगत का निर्माण, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद के 19 क्षेत्रीय और राज्य स्तर के संस्थानों में कार्यक्रम परामर्शी समिति (PAC) की एक संस्थागत प्रणाली के माध्यम से किया जाता है । कार्यक्रम परामर्शी समिति (PAC) की अध्यक्षता संबंधित राज्य के सहकारी समितियों के पंजीयक द्वारा किया जाता है तथा इसके अन्य सदस्यों में राज्य सहकारी यूनियनों/संघों के मुख्य कार्यपालक, संबंधित राज्य के उद्योग, हथकरघा, मात्स्यिकी, कृषि के निदेशकगण, उद्योग सेक्टर के विशेषज्ञ, आदि शामिल होते हैं ।

इसके अलावा, सहकारी क्षेत्र में उद्योग-शिक्षाजगत भागीदारी को और भी सशक्त करने के लिए उद्योग/सेक्टर विशेषज्ञों के साथ सम्मेलनों/वेबिनारों, प्रैक्टिशनरों द्वारा व्याख्यानों, उद्योग एक्सपोज़र दौरे और इंटर्नशिप का भी नियमित आयोजन किया जाता है ।

राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद ने नाबार्ड, SOFTCOB योजना (स्कीम फॉर फाइनैंशियल असिस्टेंस फॉर ट्रेनिंग ऑफ कोऑपरेटिव बैंक्स पर्सनेल) की सहभागिता से प्राथमिक कृषि क्रेडिट सहकारी समितियों (पैक्स) और अन्य प्राथमिक सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए वर्ष 2019-20 और वर्ष 2021-22 के मध्य 15,878 प्रतिभागियों के लिए, जो मुख्य रूप से किसान हैं, 525 प्रशिक्षण कार्यकमों का संचालन किया । इसके अलावा, राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद ने वर्ष 2019-20 और 2021-22 के मध्य ग्रामीण क्षेत्रों में 52,139 किसानों के लिए 1165 प्रशिक्षण/ जागरुकता कार्यक्रमों का भी संचालन किया ।

*****